नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के चिंतन में मनोविमर्श विषय पर नई दिल्ली में राष्ट्रीय संगोष्ठी शुक्रवार से

हिंदी विवि, वर्धा, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली का संयुक्त आयोजन

वर्धा, 10 नवंबर, 2016: भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से तथा महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा एवं लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के चिंतन में मनोविमर्श विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शुक्रवार, 11 नवंबर से नई दिल्ली में शुरू होगी। संगोष्ठी का उदघाटन 11 नवंबर को कटवारिया सराय, नई दिल्ली स्थित लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ में पूर्वाह्न 10.00 बजे होगा। समारोह की अध्यक्षता महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र करेंगे। उदघाटन वक्तव्य प्रख्यात आलोचक नामवर सिंह देंगे। इस अवसर पर प्रख्यात आलोचक निर्मला जैन बीज वक्तव्य देंगी। उदघाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष सिद्धेश्वर भट्ट, विशिष्ट अतिथि के रूप में लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के कुलपति रमेश कुमार पाण्डेय उपस्थित रहेंगे।

उदघाटन के बाद पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु', अमृतसर की अध्यक्षता में अकादमिक सत्र होगा जिसमें वागीश शुक्ल, बस्ती मुख्य वक्तव्य देंगे। वक्ता के रूप में उदय जैन, भोपाल, आनंदप्रकाश, दिल्ली, चंद्रकला त्रिपाठी, इशिता उपाध्याय, दिल्ली तथा सिद्धार्थ शंकर, छपरा उपस्थित रहेंगे। अपराह्न 3.00 बजे का अकादमिक सत्र रमाचरण त्रिपाठी, इलाहाबाद की अध्यक्षता में होगा जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में नित्यानंद तिवारी, दिल्ली एवं वक्ता के रूप में अवधेश प्रधान, वाराणसी, अनामिका, दिल्ली, ब्रजेन्द्र त्रिपाठी, दिल्ली, वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, वाराणसी, अनुराग मिश्र, फैजाबाद, बलराम शुक्ल, दिल्ली, श्रीनिवास त्यागी, दिल्ली, बीर पाल सिंह यादव, वर्धा संबोधित करेंगे।

12 नवंबर को पूर्वाह्न 10 बजे सूर्यप्रसाद दीक्षित, लखनऊ की अध्यक्षता में आयोजित अकादमिक सत्र में मैनेजर पाण्डेय, दिल्ली मुख्य वक्तव्य देंगे तथा ओमप्रकाश सिंह, दिल्ली, चित्तरंजन मिश्र, गोरखपुर, मुक्ता, वाराणसी, पूनम कुमारी, दिल्ली, शिवंतिका शरद, दिल्ली, राकेश कुमार सिंह, दिल्ली वक्ता होंगे। 12 बजे के अकादमिक सत्र की अध्यक्षता मनजीत चतुर्वेदी, वाराणसी करेंगे। मुख्य वक्ता अरुण कमल, पटना होंगे। इस सत्र में खगेन्द्र ठाकुर, पटना, आनंदवर्धन शर्मा, वर्धा, गोपेश्वर सिंह, दिल्ली, हनुमान प्रसाद शुक्ल, वर्धा, रुक्मिणी भाया नायर, दिल्ली, पूर्णिमा सिंह, दिल्ली, बलराम शुक्ल, दिल्ली, राजकुमार, दिल्ली वक्ता होंगे।

संगोष्ठी का समापन कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में 12 नवंबर को अपराह्न 3.15 बजे होगा जिसमें विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, अध्यक्ष, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली मुख्य अतिथि होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के प्रथम कुलपति अशोक वाजपेयी उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर प्रख्यात मनोवैज्ञानिक रमाचरण त्रिपाठी की विशिष्ट उपस्थिति रहेगी। सत्रों का संचालन कृष्ण कुमार सिंह, अधिष्ठाता साहित्य विद्यापीठ, मगांअंहिंवि, वर्धा, बीर पाल सिंह यादव, अशोक नाथ त्रिपाठी करेंगे।